

में शामिल करने के लिए अभी तक किसी प्रकार का कोई पत्र नहीं मिला है। हम रोजना श्यामलू को जांच के लिए एग्युजिकेशनल लेजर जाते हैं पर वहां सिर्फ तापमान मापकर लौटा दिया जाता है। नन विभाग के एसडीएफओ विक्रम सिंह सोलंकी ने बताया कि डॉक्टर की टीम श्यामलू का इलाज कर उसके स्वास्थ्य पर निगरानी रख रही है। सवारी में श्यामलू शामिल हो रही है या नहीं, इसका फैसला मंदिर प्रबंध समिति ही करेगी। मंदिर समिति की ओर से हमें अभी एक हथिनी के फिटनेस टेस्ट को लेकर पत्र नहीं मिला है